public sector undertaking under the Ministry of Defence and an associate of the above mentioned Tehran based firm in November, 1974.

(d) No, Sir.

**Ship Building Yard at Hajira, Gujarat**

478. SHRI F. P. GAEKWAD: Will the Minister of SHIPPING AND TRANSPORT be pleased to state:

(a) whether Government have taken a decision to set up a ship-building yard at Hajira in Gujarat;

(b) if so, when Government propose to make an announcement of the same: and

(c) if not, the reasons for de'ay in taking the decision?

THE MINISTER OF DEFENCE (SHRI JAGJIVAN RAM): (a) and (b) No, Sir. The issue of selection of a suitable site for location of a new shipyard is under examination.

(c) In a matter such as this which involves a very large investment and other complex problems, various aspects of the proposal have to be examined in detail by Government before taking a decision.

**Anti-Defection Bill**

479. SHRI F. P. GAEKWAD:

SHRI SATYENDRA NARAYAN SINHA:

Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state whether Government propose to bring forward Anti-Defection bill in the current Lok Sabha session?

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (CHAUDHURI CHARAN SINGH): Yes, Sir.

**Complaints of Excesses during Emergency**

480. SHRI R. K. MHALGI: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) how many complaints of 'excesses' during last emergency have been received by Government uptill now;

(b) the state-wise break-up thereof; and

(c) whether these complaints have been forwarded to the Commission appointed for the purpose if so, when?

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (CHAUDHURI CHARAN SINGH): (a) and (b). Considering the wide range and volume of complaints of excesses during the last 'Emergency', that have been and are being made to various authorities at the Centre and in the States, it is difficult to furnish statistical data of such complaints.

(c) The Government have been instituting inquiring into individual complaints as and when they have been received. The Commission of Inquiry has headed by Justice Shah has recently been appointed and further action in respect of the complaints received by the Government will be taken as per the advice of the Commission.

**Arrest of Journalists under MISA and DIR during Emergency**

481. SHRI R. K. MHALGI: Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:

(a) the number of journalists arrested under MISA and DIR during last emergency throughout the country; and

(b) whether all of them have been taken into service after their release?

THE MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI L. K. ADVANI): (a) 110 Journalists were detained under MISA and 60 Journalists were arrested under DIR during the last emergency.

(b) Government do not have any information.

**विभिन्न उद्योगों में बेकार निकलने वाले उत्पादों का उपयोग**

482. **श्री मृत्युंजय प्रसाद वर्मा :** क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या विभिन्न उद्योगों से निकलने वाले बेकार उत्पादों का पता लगाकर उनका सदुपयोग करने, वायु तथा जल प्रदूषण को रोकने और देश में उपयोगी उत्पादन बढ़ाने के उद्देश्य से कोई योजना अथवा अनुसंधान कार्य चल रहा है ; और

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी तथ्य क्या है ?

**उद्योग मंत्री (श्री बृजलाल वर्मा):** (क) जी, हां ।

(ख) अपशेषों तथा प्रदूषणों का उपयोग करने की दिशा में अनेक अभ्युपाय प्रारम्भ किये गये हैं ; यथा :—

(1) विभिन्न उद्योगों के अपशेषों के समुचित उपयोग द्वारा और प्रदूषण नियंत्रण सम्बंधी कार्यकलाप द्वारा समस्याओं का पता लगाने तथा परिस्थितियों में सुधार लाने के लिए सरकार द्वारा पर्यावरण योजना तथा समन्वय पर एक राष्ट्रीय समिति की स्थापना की गई है ।

(2) जल (निवारण तथा प्रदूषण नियंत्रण) अधिनियम, 1974 के अधिनियमित किए जाने के परिणामस्वरूप अनेक राज्य सरकारों ने मानक निर्धारित करने तथा प्रदूषण रोकने के लिए निवारक अभ्युपायों को अपनाने हेतु प्रदूषण मंडलों की स्थापना की है ।

(3) अपनी विभिन्न समितियों के माध्यम से विज्ञान तथा औद्योगिकी विभाग तथा भारतीय मानक संस्था इस समय प्रदूषण नियंत्रण के लिए अनेक परियोजनाओं तथा मानकों पर काम कर रही है ।

(4) औदयोगिक लाइसेंसिंग में यह एक आदेशात्मक शर्त है कि जो उपमकर्ता औदयोगिक गैसे बनाने जिनमें गन्दा जल या गैसे निकलनी हैं । ऐसे औदयोगिक संयंत्र स्थापित करना चाहने है उन्हें इस प्रकार के गंदे जल तथा गैसों को निर्धारित समय सीमा के भीतर निपटाने की क्षमता तथा साधनों के बारे में सरकार का समाधान करना चाहिए ।

(5) अपशेषों के पुन : काम में लेने तथा पुन : प्रयोग पर जोर दिया गया है जिससे अर्थव्यवस्था में उत्पादक वस्तु बढ़ेगी । इसके उदाहरण धमन भट्टियों से निकलने वाली स्लैग तथा पावर संयंत्रों आदि से उड़ी हुई राख है जो सीमेंट उत्पादन में काम में आती है तथा कृषीय अवशेषों का उपयोग कागज बनाने में कांयले की गैसों का उपयोग रसायन आदि बनाने में किया जाता है ।

(6) अनेक विकास परिषदें, इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड, तथा अन्य संगठन विशिष्ट क्षेत्रों तथा उद्योगों की समस्याओं का पता लगाने में लगे है ।

(7) प्रदूषण नियंत्रण उपकरण तथा यंत्रों के उत्पादन के लिए क्षमताएं स्थापित की जा रही है ।